(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) क्या सरकार का यह सुनिश्चित करने का विचार है कि ऐसे छात्रों की जिन्होंने बी० ए० के उक्त विषय हिन्दी के माध्यम से पास किये हैं, एम० ० की परीक्षा अंग्रेजी भाषा के माध्यम से देने पर मजबूर न किया जाये ?

शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) और (ख). जी, हां।

(ग) और (घ). दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार इसका अर्थशास्त्र विभाग देश में अर्थशास्त्र के उच्च अध्ययन के तीन केन्द्रों में से एक है। इसी कारण से तथा इस बात को ध्यान में रखते हुए कि इस विभाग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्तियों में से कम से कम आधी छात्रवृत्तियां दिल्ली से बाहर के स्थानों से आने वाली/वाले छात्रों के लिए आरक्षित हैं, इस विभाग को देश के अन्य भागों के छात्रों को बड़ी संख्या में दाखिल करना पड़ता है।

संसार भर में अर्थशास्त्र में अनुसंधान बड़े भारी अनुपात में अंग्रेजी में किया जा रहा है और फ्रांस, पश्चिम जर्मनी, जापान, सोवियत रूस आदि जैसे अधिकांश गैर अंग्रेजी भाषी देशों ने उच्च स्तरों पर अर्थशास्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए अंग्रेजी के ज्ञान को एक आवश्यकता के रूप में लागू कर दिया है। तदनुसार विश्वविद्यालय का यह विचार है कि उच्च अर्थशास्त्र के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम छात्रों के हित में अंग्रेजी में ही संचालित किए जाने चाहिए।

विश्वविद्यालय के अनुसार, जो छात्र अबर स्नातक परीक्षाएं हिन्दी के माध्यम से पास करते हैं उन्हें स्नातकोत्तर प्रशिक्षण अंग्रेजी के माध्यम से प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती है क्योंकि उन्हें अंग्रेजी का ज्ञान तो होता ही है और जब वे अर्थशास्त्र में उच्च प्रशिक्षण पाना चाहते हैं तो अपने ही हित में अंग्रेजी में प्रवीणता अर्जित करने की प्रेरणा मिलती है।

Under Utilisation of Irrigation Potential

3157. DR. SAROJINI MAHISHI:
SHRI K. PRADHANI:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) what are the factors in respect of various projects responsible for the under utilisation of irrigation potential; and

(b) what steps are being taken to remedy the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) The various factors which are responsible for the under utilisation of irrigation potential are:—

(i) construction of field channels not keeping pace with the water availability facility;

(ii) inadequate drainage facility which hampers development of irrigation;

(iii) Inadequate preparation of land for irrigated agriculture including land levelling and land shaping;

(iv) anticipated crop pattern and water allowances under the projects not being realised;

(v) lack of adequate agricultural experimental and demonstration farms and training and extension facilities;

(vi) Mal-distribution of available supplies of water and problems of tail-end-cultivators; and

(vii) lack of inputs and infrastructure facilities.

(b) The command area development programme taken up in the Fifth Plan and being continued in the current Plan is a major step to remedy the situation. Broadly, the programme covers on-farm development works comprising field channels, field drains, land levelling and shaping operations. The programme also envisages strengthening of existing training and demonstration organisation; ground water development in the command areas, adoption of suitable cropping pattern and rostering system or irrigation; provision of adequate drainage net-work in the command areas and modernisation of the existing irrigation systems etc. A command area development authority to discharge these functions effectively and speedily has been envisaged for each command area. At present 38 command area development authorities are functioning covering 50 irrigation commands falling in 13 States.

Escalations in Original Estimates of Incomplete Major First Plan Irrigation Project

3158. DR. SAROJINI MAHISHI: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) which are the incomplete major first plan irrigation project in the country;

(b) what are the escalation in their original estimates; and

(c) how the Government analyse the reasons for the delay?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). 4 major First Plan irrigation projects are yet to be completed. Project-wise details of the original estimated cost and the latest revised cost are given below:

(Rs. crores.)

Sl. No.	Project	Original estimated cost	Latest revised cost
1.	Koshi Barrage & Eastern Kosi Canal	24·81	127·05
2.	Chambal Stage I	34·48	98·46
3.	Mahanadi Delta	14·02	62·69
4.	D.V.C. Irrigation	25·07	30·60*

*This figures would need further revision.

(c) The main reasons for the delay have been (i) inadequate financial outlay till the end of the Fourth Plan (ii) changes in scope of the projects (iii) land acquisition difficulties (iv) non-availability of construction materials like cement, steel & explosive and (v) continuing rise in costs of labour and materials.

दिल्ली दुग्ध योजना के पास दूध के टोकनों के लिए विचाराधीन पड़े आवेदन-पत्र ।

3159. **श्री गंगा भक्त सिंह** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली और नई दिल्ली में ऐसे व्यक्तियों की संख्या कितनी है जिन्होंने